भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1820

बुधवार, 30 जुलाई, 2025 को उत्तर देने के लिए

विद्यालयों में अंतरिक्ष विज्ञान का अध्ययन

1820. श्री डग्गुमल्ला प्रसादा राव:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की वैमानिकी इंजीनियरिंग में रुचि विकसित करने और अंतरिक्ष यात्री के रूप में करियर बनाने हेतु छात्रों को प्रोत्साहित करने हेतु कोई मौजूदा पहल, योजना या इनक्यूबेशन कार्यक्रम हैं;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार केंद्रीय विद्यालयों और जवाहर नवोदय विद्यालयों जैसे केंद्र सरकार के स्कूलों के पाठ्यक्रम में वैमानिकी इंजीनियरिंग से संबंधित कोई विशेष मॉड्यूल या शैक्षिक कार्यक्रम शुरू करने का विचार रखती है;

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने इनक्यूबेशन केंद्रों, कार्यशालाओं, हैकाथॉन, नवाचार चुनौतियों या भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) या अन्य संबंधित एजेंसियों के साथ शैक्षिक सहयोग के माध्यम से छात्रों के बीच वैमानिकी इंजीनियरिंग को बढ़ावा देने के लिए धनराशि आवंटित की है? और

(च) यदि हाँ, तो आवंटित राशि का ब्यौरा क्या है, इसमें कौन-कौन सी कार्यान्वयन एजेंसियाँ शामिल हैं और ऐसी पहलों के तहत क्या परिणाम या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) एवं (ख)

विभाग ने अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अनुसंधान आयोजित करने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करने हेतु प्रमुख संस्थाओं में 9 अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी विकास केंद्रों (एसटीआईसी) की स्थापना की है। इसके अलावा, इसरो प्रति वर्ष अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष विज्ञान और अंतरिक्ष अनुप्रयोगों में मूलभूत जानकारी प्राप्त करने हेतु स्कूली छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए यूविका जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करता है। वैमानिकी इंजीनियरिंग सहित अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में करियर बनाने हेतु छात्रों में वैज्ञानिक अभिवृत्ति पैदा करना और उन्हें प्रेरित करना इस कार्यक्रम का उद्देश्य है। इस कार्यक्रम में भविष्य के अंतरिक्षयात्री बनने हेतु युवाओं को प्रेरित करने के लिए गगनयात्रियों के साथ उनकी वार्तालाप का विशेष सत्र भी शामिल है।

(ग) और (घ)

वर्तमान में, अंतरिक्ष विभाग की ओर से केन्द्रीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालय जैसे केन्द्र सरकार के स्कूलों के पाठ्यक्रम में वैमानिकी इंजीनियरिंग से संबंधित कोई विशेष मॉड्यूल या शैक्षिक कार्यक्रम शुरू करने का कोई प्रस्ताव नहीं है। तथापि, भविष्य में मांग के आधार पर इस पर विचार किया जा सकता है।

(ङ) और (च)

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एसटीआईसी में अनुसंधान संबंधी गतिविधियां आयोजित करने हेतु 3.5 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। ये कार्यक्रम उन संस्थाओं के द्वारा क्रियान्वित किए जाते हैं जहां एसटीआईसी स्थापित हैं।

***